समीक्षा

शाखा प्रबंधकों, पर्यवेक्षकों एवं संस्था प्रबंधकों की जिला स्तरीय बैठक

कम वसूली पर होगी कार्यवाही : सीईओ

नवभारत, बालाघाट। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट के सभाकक्ष में 28 मई को शाखा प्रबंधकों, पर्यवेक्षकों एवं संस्था प्रबंधकों की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीना के मार्गदर्शन में किया गया। बैठक में बैंक के सीईओ अभिनव सिंह बघेल एवं प्रबंधक लेखा पी. जोशी ने बैंकिंग कार्यों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की।

बैठक में ऋण वसूली की वन-टू-वन समीक्षा करते हुए सीईओ श्री बघेल ने निर्देश दिए कि सभी शाखाएं उन्हें आवंटित लक्ष्य के अनुरूप वसूली कार्य पूर्ण करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गत वर्ष की तुलना में कम वसूली होने पर संबंधित शाखाओं एवं समितियों के विरुद्ध कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी, जबकि बेहतर वसूली करने वाली शाखाओं एवं समितियों को प्रोत्साहित भी किया जाएगा। उन्होंने समिति कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे कालातीत एवं अकालातीत कृषकों से घर-घर जाकर संपर्क करें और वसूली कार्य को प्रभावी ढंग से पूरा करें।

बैठक में खरीफ ऋण वितरण, वर्ष 2025-26 के कृषि ऋणों की समीक्षा, शाखा समायोजन, समिति निरीक्षण, पैक्स कम्प्यूटरीकरण तथा 'सहकारी से समृद्धि' अभियान की भी समीक्षा की गई। समितियों को अन्य व्यवसायों के लिए आवेदन करने के निर्देश दिए गए, ताकि उन्हें अतिरिक्त आय के स्रोत प्राप्त हो सकें। श्री बघेल ने बताया कि पैक्स समिति मोरवाही द्वारा इफको मार्ट प्रारंभ किया गया है, जिससे समिति को लाभांश प्राप्त हुआ है।

इसके अलावा समितियों के पुनर्गठन, मध्यमकालीन ऋण प्रकरण तैयार करने, समिति कर्मचारियों के खातों के संधारण, मत्स्य पालन एवं पशुपालन केसीसी प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। बैठक में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना से अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को जोड़ने के निर्देश दिए गए। साथ ही किसानों को समय पूर्व रासायनिक खाद उठाव के लिए प्रेरित करने पर भी जोर दिया गया, ताकि खाद का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित हो सके।

बैठक में चार्टर्ड अकाउंटेंट रविन्द्र वैद्य ने नए आयकर अधिनियम में हुए परिवर्तनों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टीडीएस, पैन कार्ड और आधार कार्ड बैंकिंग कार्यों में अनिवार्य हैं तथा खाताधारकों की केवाईसी समय पर पूर्ण करना आवश्यक है, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि बैंक कर्मचारी अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंच रखते हैं, इसलिए उन्हें आरबीआई और नाबार्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करना चाहिए।

इस अवसर पर प्र. विपणन अधिकारी अशोक भवरे, शाखा प्रबंधक आशीष मिश्रा, ऋषि बिसेन, सुनील राहंगडाले, प्रकाश साहू, ऋषि हरिनखेड़े, मोरेश्वर फुंडे, ज्ञानचंद नेवारे, जयकुमार नंदनवार, आई.आर. भगत, मुकेश ठाकरे, गिरीश हनवत, रत्नघोष भूरे, दीपक देशमुख, राजेश दुबे, अनिरुद्ध वागदे, दीनदयाल ठाकरे, दिलीप रामटेके, श्रीमती भूमेश्वरी नागेश्वर, श्रीमती लता गौतम, सारंग बिसेन, रौनक चैकसे, नीरज बिसेन सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अतिक्रमण के आगे बेबस प्रशासन : सड़कें बनीं सब्जी मंडी, पार्किंग पर कब्जा, आमजन परेशान

नवभारत, बालाघाट। शहर की यातायात व्यवस्था और आम नागरिकों की सुविधाएं आज अतिक्रमण की भेंट चढ़ती नजर आ रही हैं। इत्तवारीगंज, गुजरी चौक और इत्तवारी बाजार जैसे प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में हालात लगातार बदतर होते जा रहे हैं। जिन स्थानों को नगर पालिका द्वारा फुटकर सब्जी विक्रेताओं और पार्किंग व्यवस्था के लिए आरक्षित किया गया था, वहां अब कथित रसूखदारों और कब्जाधारियों ने स्थायी कब्जे जमा लिए हैं। नतीजा यह है कि सब्जी बाजार सड़क पर फैल चुका है और पार्किंग स्थल निजी दुकानों में तब्दील होते जा रहे हैं।

सड़क पर सब्जी बाजार, दिनभर जाम

इत्तवारीगंज में सब्जी विक्रेताओं के लिए छोड़ी गई जगह पर पक्के निर्माण और अवैध कब्जों के कारण अब पूरा कारोबार सड़क पर संचालित हो रहा है। सड़क के दोनों किनारों पर लगी दुकानों और ठेलों के कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। राहगीरों, स्कूली बच्चों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार एम्बुलेंस और आपातकालीन वाहनों तक को रास्ता नहीं मिल पाता।

वहीं गुजरी चौक परिसर के भीतर बने विक्रय स्थल भी अतिक्रमण की भेंट चढ़ चुके हैं। यहां बने थियों पर अवैध निर्माण होने से सब्जी व्यापार पूरी तरह सड़क पर शिफ्ट हो गया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर पालिका की लापरवाही ने समस्या को विकराल बना दिया है इत्तवारी बाजार में नगर पालिका द्वारा बनाई गई पार्किंग व्यवस्था भी अब सवालों के घेरे में है। जिस पार्किंग का उद्देश्य आम जनता को सुविधा देना था, वहां कथित रूप से कुछ व्यापारियों ने स्थायी कब्जा कर उसे निजी उपयोग में बदल दिया है। कई जगहों पर सामान रखा जा रहा है और पार्किंग स्थल दुकानों के विस्तार का माध्यम बन गया है।

इसके चलते ग्राहक सड़क किनारे वाहन खड़े करने को मजबूर हैं और पूरा बाजार यातायात अव्यवस्था का शिकार हो चुका है। जनता सवाल पूछ रही है कि आखिर यह पार्किंग जनता के लिए बनाई गई थी या फिर कुछ लोगों के कब्जे के लिए?

शहरवासियों में इस बात को लेकर भारी नाराजगी है कि बालाघाट की सबसे बड़ी समस्या अतिक्रमण और यातायात अव्यवस्था पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं दिखाई दे रही। नागरिकों का कहना है कि शराब दुकानों को इधर-उधर शिफ्ट करने की राजनीति तो हो रही है, लेकिन इत्तवारीगंज और गुजरी चौक जैसे क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने की इच्छाशक्ति नजर नहीं आ रही।

नगर पालिका, जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का आरोप है कि राजनीतिक संरक्षण और प्रशासनिक ढिलाई के कारण अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं।

जनता की प्रमुख मांगें

इत्तवारीगंज, गुजरी चौक और इत्तवारी बाजार से तत्काल अतिक्रमण हटाया जाए।पार्किंग स्थलों को कब्जामुक्त कर जनता के उपयोग में लाया जाए।सब्जी विक्रेताओं को उनके निर्धारित स्थानों पर व्यवस्थित किया जाए। अवैध कब्जाधारियों और संरक्षण देने वालों पर सख्त कार्रवाई हो। शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए स्थायी कार्ययोजना बनाई जाए।

तेज आंधी-तूफान से परसवाड़ा में नुकसान, कई जगह बिजली रही बाधित

नवभारत, परसवाड़ा। परसवाड़ा में गुरुवार देर रात आए तेज आंधी-तूफान से नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में काफी नुकसान हुआ। रात करीब 1 बजे अचानक मौसम बदलने के बाद तेज हवा और बारिश शुरू हो गई, जिससे कई घरों और दुकानों के टीन शेड उड़ गए तथा पेड़ गिर पड़े।

जानकारी के अनुसार सीएम राइस स्कूल के पुराने भवन परिसर में एक बड़ा आम का पेड़ गिर गया, जिससे निर्माणाधीन लाइब्रेरी को आंशिक नुकसान पहुंचा। वहीं स्कूल के सामने पेड़ गिरने से बिजली लाइन क्षतिग्रस्त हो गई और नगर में बिजली आपूर्ति बाधित रही।

बस स्टैंड और राम मंदिर क्षेत्र में भी कई दुकानों के शेड टूट गए और दुकानों के सामने रखी सीमेंट शीटें क्षतिग्रस्त हो गईं। शुक्रवार सुबह व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों के सामने फैले सामान को व्यवस्थित करते दिखाई दिए।

तूफान के कारण कई क्षेत्रों में पूरी रात और दिनभर बिजली बंद रही, जिससे लोगों को गर्मी में परेशानी का सामना करना पड़ा। आसपास के गांवों में भी तेज आंधी और तूफान का असर देखने को मिला। हालांकि किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है।

भटेरा और खैरी में 2500 से अधिक ट्रॉली रेत जब्त, दो ट्रैक्टर-ट्रॉली पर भी कार्रवाई

अवैध रेत भंडारण पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले में अवैध रेत खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 29 मई 2026 को तहसील बालाघाट अंतर्गत ग्राम भटेरा एवं खैरी में परिवहन विभाग, खनिज विभाग, राजस्व अमला एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा छापामार कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में अवैध रूप से भंडारित रेत जब्त की गई।

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि संयुक्त कार्रवाई में परिवहन विभाग, खनिज अमला, राजस्व विभाग, थाना प्रभारी कोतवाली एवं पुलिस लाइन बालाघाट का पुलिस बल शामिल रहा। जांच के दौरान ग्राम खैरी में शासकीय एवं निजी भूमि पर लगभग 862 ट्रॉली खनिज रेत का भंडारण पाया गया। वहीं ग्राम भटेरा में शासकीय भूमि पर लगभग 1650 ट्रॉली रेत लावारिस हालत में अवैध रूप से भंडारित मिली।

कार्रवाई के दौरान संबंधित व्यक्तियों द्वारा रेत भंडारण की वैध अनुमति अथवा रॉयल्टी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इसके चलते नियमानुसार पूरी रेत को अज्ञात रूप से जब्त किया गया। ग्राम खैरी में जब्त रेत को ग्राम कोटवार की सुपुर्दगी में दिया गया, जबकि ग्राम भटेरा में जब्त रेत की देखरेख एवं सुपुर्दगी ग्राम पंचायत भटेरा के सचिव को सौंपी गई है। समाचार लिखे जाने तक रेत जब्ती की कार्यवाही आगे भी जारी थी।

बिना नंबर के चल रहीं थीं ट्रैक्टर-ट्रालियां

छापामार कार्रवाई के दौरान परिवहन विभाग द्वारा दो ट्रैक्टर-ट्रॉली भी पकड़ी गईं, जो बिना नंबर के संचालित पाई गईं। परिवहन नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर दोनों वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। जब्त की गई रेत पर मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अवैध खनन के खिलाफ जारी रहेगा अभियान

प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि खनिज संबंधी कार्य केवल वैध अनुमति एवं नियमों के तहत ही करें।

पढ़ाई से ही पहुंचते हैं मुकाम पर : पटेल

विधायक विवेक पटेल के हस्ते भूमिपूजन

नवभारत, वारासिवनी। कांग्रेस सरकार में एक भी युवा बेरोजगार नहीं था।लेकिन जैसे ही भाजपा की सरकार आई।बेरोजगार की संख्या बढ़ती चली गई। सरकार ने युवाओं का रोजगार छीन लिया।कई लोगो की नौकरी चली गई। लोग बेरोजगार हो गई। बड़ी-बड़ी फैक्ट्रिया बंद हो गई। गरीब किसान गेहूं नहीं बेच पाया है।ये जो सरकार है पूंजीपतियो की सरकार है। कांग्रेस सरकार में पंचायत में रहकर हर काम होते थे। अब तहसील कार्यालय में काम के लिए भटकना पड़ता है। कई वर्षों से चुनाव नहीं हो रहे है,ना ही खाद बीज किसानों को मिल रहा है। ये सरकार किसानों की विरोधी सरकार है।भाजपा के नेताओं ने कहा था हमारी सरकार आएगी तो महगाई कम होगी। युवाओं को रोजगार देंगे।इन्होंने युवाओं को कुछ दिया तो नहीं,बल्कि युवाओ का रोजगार भी छीन लिया। पिछले 10 वर्षों से कई बार पेपर लीक हो गए।पेपर लीक करने वाले भाजपा के कार्यकर्ता थे। कांग्रेस पार्टी चुनाव हारना पसंद करती हैं। मगर भाजपा के समान झूठे वादे नहीं करती। ये उद्बोधन विधायक विवेक विक्की पटेल ने ग्राम पंचायत डोरली में 5 लाख रुपयों की लागत से बन रही मरार माली समाज के अतिरिक्त कक्ष और बिरसा मुंडा प्रतिमा के भूमिपूजन के दौरान ग्रामीणों से कही।वहीं कार्यक्रम के दौरान ग्राम वासियों ने वॉर्ड नंबर 2 में स्ट्रीट लाइट और विद्युत पोल लगवाने की मांग विधायक विवेक पटेल से की।इस दौरान ब्लाक अध्यक्ष सुनील राणा,उपसरपंच उपेंद्र डहरवाल,मरार माली समाज के अध्यक्ष बृजलाल मात्रे, कुंजीलाल पटले, धनपाल पंचेश्वर,जगत गिरी, विजय धनकरे,संदेश बिसेन, क्षत्रभुज डहरवाल, दुर्गाप्रसाद राणा,मदन राणा, ज्ञानीराम कावरे, दीपक मानेश्वर, संजय राणा, योगराज जागेश्वर, राजकुमार मात्रे,पवन बिसेन, कविता मात्रे सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

विधायक विवेक विक्की पटेल ने कहा कि देश में समाजिक समानता भेदभाव को माता सावित्री देवी फुले ने ही समाप्त किया।शिक्षा को बढ़ावा देने पहला विद्यालय माता सावित्री देवी ने ही प्रारंभ किया।समाज का अतिरिक्त कक्ष बनने के बाद वहां लाइबेरी भी प्रारंभ किया जाएगा। उसमें महापुरुषों की किताबे रखी जाएगी।

कोई भी विद्यार्थी वहां आकर पढ़ाई कर सकता है। माता-पिता हर मौसम में कड़ी मेहनत करके अपने बच्चों को पढ़ाते है।उनकी मेहनत को व्यर्थ ना जाने दे। पढ़ाई करके जब आप अपने मुकाम तक पहुंचोगे तक आपके साथ-साथ आपके माता-पिता और गाँव का नाम भी रोशन होगा।

घर में घुसकर जेवरात, नकदी ले गये चोर

जबलपुर। रांझी थाना अंतर्गत चंद्रमोहन नगर वंशकार मोहल्ला में चोर ने सोने चांदी के जेवरात, नकदी पार कर दी। पुलिस के मुताबिक गुरूवार को नीलम साकेत 27 वर्ष निवासी चंद्रमोहन नगर वंशकार मोहल्ला के सामने ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि बीती रात लगभग 12 बजे वह अपने परिवार के साथ आंगन में सो गई थी कमरे का दरवाजा खुला था सुबह लगभग 6 बजे उठकर उसके पति ने आलमारी में रखे मोबाइल को चार्ज करने के लिये आलमारी खोलकर देखे तो मोबाइल नहीं थे आलमारी का लॉकर खुला था लाकर में रखे सोने की बेंदी, एक जोड़ी टाप्स, 1 अंगूठी, मंगलसूत्र, लाकेट, सोने का एक छोटा लाकेट, चांदी का कमरबंध, पायल, 3 अंगूठी, बच्चे का चांदी का कमरबंध, बच्चे की एक जोड़ी पायल, बच्चे की एक जोड़ी छड, 12 छोटे लाकेट, नहीं थे मोबाइल पर कॉल करने पर दोनों मोबाइल बंद आ रहे हैं।

फुटपाथ निर्माण कार्य अधूरा, 31 से शुरू नहीं हो सकेगा ओव्हर ब्रिज पर यातायात

एसडीएम गोपाल सोनी एवं एसडीओ अर्जुन सनोडिया ने किया निरीक्षण

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट-गर्रा-वारासिवनी मार्ग पर निर्मित रोड ओव्हर ब्रिज (आरओबी) से 31 मई से यातायात प्रारंभ होने की संभावना फिलहाल टल गई है। बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी ने गुरुवार 29 मई को सेतु निर्माण संभाग के एसडीओ श्री अर्जुन सनोडिया के साथ रोड ओव्हर ब्रिज का निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि ब्रिज के ऊपरी हिस्से में फुटपाथ निर्माण का कार्य अभी अंतिम चरण में चल रहा है। यह कार्य पूरी तरह पूर्ण होने में लगभग दो से तीन दिन का और समय लग सकता है। इसी कारण सुरक्षा एवं तकनीकी दृष्टि से 31 मई से ब्रिज पर यातायात प्रारंभ नहीं किया जा सकेगा।

एसडीएम गोपाल सोनी ने संबंधित निर्माण एजेंसी एवं अधिकारियों को निर्देश दिए कि फुटपाथ सहित शेष कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि नागरिकों को सुरक्षित और सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि ब्रिज का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है और बचा हुआ कार्य समाप्त होते ही यातायात प्रारंभ करने की नई तिथि घोषित की जाएगी। सेतु निर्माण संभाग के एसडीओ श्री अर्जुन सनोडिया ने बताया कि ब्रिज पर सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। फुटपाथ निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद अंतिम निरीक्षण किया जाएगा, जिसके उपरांत यातायात प्रारंभ किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस रोड ओव्हर ब्रिज के शुरू होने से बालाघाट-गर्रा-वारासिवनी मार्ग पर आवागमन अधिक सुगम होगा तथा रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी। स्थानीय नागरिक भी लंबे समय से इस ब्रिज के प्रारंभ होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि निर्माण कार्य पूर्ण होने तक धैर्य बनाए रखें और सुरक्षा कारणों से निर्माणाधीन ब्रिज का उपयोग न करें।

तिरोड़ी-कटंगी के रेत माफियाओं पर कार्रवाई कब

➢लगातार शिकायतों के बाद भी नहीं हो रही कार्रवाई
➢खनिज विभाग पर मिलीभगत के लग रहे आरोप

नवभारत कटंगी। बावनथड़ी नदी और चंदन नदी में लगातार अवैध रेत खनन और परिवहन जारी है, जिससे शासन के राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। बावनथड़ी नदी के पुलपुट्टा, हरदोली, बम्हनी, बड़पानी, संग्रामपुर, बोनकट्टा, खरपड़िया नाला और चंदन नदी के बाहकल, गजपुर, मंगलेगांव सहित अन्य रेत घाटों से रेत माफिया सक्रिय होकर धड़ल्ले से रेत का उत्खनन कर रहे हैं।

पुलिस कर रही कार्रवाई, खनिज विभाग मौन

क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन की लगातार शिकायतें मिल रही हैं। पुलिस विभाग द्वारा कभी-कभार कार्रवाई की जा रही है, किंतु खनिज विभाग की कोई उल्लेखनीय कार्रवाई सामने नहीं आई है।

आरोप है कि खनिज विभाग के अधिकारी इस क्षेत्र में आकर मात्र गिट्टियों के परिवहन पर कार्रवाई करते नजर आते हैं, किंतु रेत माफियाओं पर कार्रवाई न करना उनकी मिलीभगत को दर्शाता है। हद तो पार तब हो जाती है जब सभी शासकीय विभाग के कार्यों में चोरी की रेत का खुलेआम उपयोग किया जा रहा है ।

राजस्व को करोड़ों का नुकसान

स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन-रात जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। बिना रॉयल्टी के रेत परिवहन से शासन को हर माह लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है। नदियों का अस्तित्व भी खतरे में पड़ गया है। चन्दन नदी और बावनथडी नदी के पुलपुट्टा और बोनकट्टा घाट पर तो नदी का स्वरूप ही बदल गया है।

ग्रामीणों में आक्रोश -ग्रामीणों ने कई बार जिला प्रशासन और खनिज विभाग को शिकायत दी है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का आरोप है कि रेत माफियाओं को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते खनिज विभाग हाथ डालने से बच रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि अवैध रेत उत्खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए और दोषी खनिज अधिकारियों के साथ-साथ रेत माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई की जाए। यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीण आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

युवती के साथ दुष्कर्म करने वाले पर एफआईआर

जबलपुर। बेलखेड़ा निवासी युवती को शादी का झांसा देकर गुजरात ले जाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी के खिलाफ गुरूवार को पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। बुधवार को पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत की थी। 21 वर्षीय पीड़िता के मुताबिक बेलखेड़ा निवासी सुरेन्द्र पटेल उसे बहल फुसला कर शादी का प्रलोभन देकर 6 फरवरी 2026 को सूरत ताताथईयाँ गुजरात ले गया था जहां तीन महीने तक उसके साथ दुष्कर्म किया ।इसके बाद वे उसके चुंगुल से छूटकर जबलपुर आ गई थी । पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर बुधवार को शिकायत की थी। साथ ही यह भी आरोप लगाया था कि प्रशांत नामक युवक भी उसकी 16 वर्षीय बहन का अपहरण कर गुजरात ले गया है। बेलखेड़ा पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। गुरूवार को पुलिस ने आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है ।

10 महीने की मेहनत व शोध से बनाई प्लांट डॉक्टर डिवाईस

10 प्रमुख फसलों की 56 बीमारियों की पहचान करने में है सक्षम

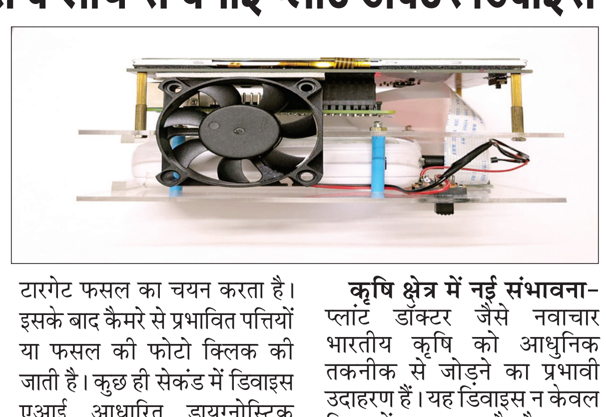

जबलपुर। फसलों को नुकसान से बचाने जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के एम.टेक के छात्र आर्यन चंद्रा ने खोज कर ली है ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एम्बेडेड सिस्टम आधारित एक स्मार्ट डिवाइस विकसित की है। लगभग 10 महीने की मेहनत और शोध के बाद तैयार इस डिवाइस का नाम प्लांट डॉक्टर रखा गया है। प्लांट डॉक्टर एक पोर्टेबल स्टैंडअलोन एआई डिवाइस है, जो बिना इंटरनेट के खेतों में काम कर सकती है। यह डिवाइस 10 प्रमुख फसलों की 56 प्रकार की बीमारियों की पहचान करने में सक्षम है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे उपयोग करने के लिए किसी तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता नहीं होती। डिवाइस का उपयोग बेहद आसान है। किसान सबसे पहले टारगेट फसल का चयन करता है। इसके बाद कैमरे से प्रभावित पत्तियों या फसल की फोटो क्लिक की जाती है। कुछ ही सेकंड में डिवाइस एआई आधारित डायग्नोस्टिक रिपोर्ट तैयार कर देती है। रिपोर्ट में बीमारी की पहचान के साथ उपचार और दवाई संबंधी सुझाव भी दिए जाते हैं।

कृषि क्षेत्र में नई संभावना- प्लांट डॉक्टर जैसे नवाचार भारतीय कृषि को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का प्रभावी उदाहरण हैं। यह डिवाइस न केवल किसानों का समय और पैसा बचा सकती है, बल्कि गलत दवा उपयोग को कम कर उत्पादन बढ़ाने में भी सहायक साबित हो सकती है।

बिना इंटरनेट के भी करता है काम

ग्रामीण क्षेत्रों और खेतों में अक्सर इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क की समस्या बनी रहती है। इसे ध्यान में रखते हुए प्लांट डॉक्टर को पूरी तरह ऑफलाइन मोड पर डिजाइन किया गया है। यानी यह डिवाइस बिना इंटरनेट के भी पूरी क्षमता के साथ कार्य करती है। यह डिवाइस अलग-अलग फसलों में 88 प्रतिशत से लेकर 99 प्रतिशत तक एक्यूरेसी प्रदान करती है। अधिकतम 99 प्रतिशत तक की सटीकता इसे किसानों के लिए बेहद उपयोगी बनाती है।